अपने आशियाने के लिए दिखा उत्साह

दैनिक जागरण के दो दिवसीय फेयर में आखिरी दिन लोगों की रही भारी भीड़

जागरण प्रापर्टी फेयर में स्टाल पर जानकारी लेते लोग।

लोगों को वास्तु के बारे में जानकारी देते वास्तुविद् डा. सुनील कुमार त्रिपाठी।

स्मार्ट सिटी का स्टॉल।

स्पैरो इंफ्राटेक का स्टॉल।

इंडिकोर का स्टॉल।

प्रॉपर्टी फेयर
दिनांक : 09 एवं 10 अप्रैल, 2016

वाराणसी : दैनिक जागरण की ओर से प्रापर्टी फेयर में घर की चाहत रखने वालों की भीड़ अंतिम दिन भी रही। ऐसा हो भी क्यों नहीं। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में आशियाना बनाने का हर कोई का सपना होता है। साथ ही आकर्षक घर और दर भी जेब को भाने वाली हो। सुविधाएं लुभाने वाली और दिलों दिमाग पर छा जाने वाली भी। इतनी खूबियां भला किसे न आकर्षित कर ले।

रविवार को सुभाष नगर परेड कोठी स्थित शुभ लग्नम बैंक्वेट हाल में आयोजित पापर्टी फेयर के आखिरी दिन सुबह से ही लोग आते रहे। ज्यादातर का झुकाव फ्लैट की ओर रहा। कुछ लोगों ने जमीन के संबंध में भी जानकारी ली। कुछ ऐसे भी लोग थे जिनका निवेश यानी बाई बैक प्लान पर खास जोर रहा। यह कवायद समापन समारोह के पहले तक चलता रहा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सनबीम शिक्षण समूह के चेयरमैन दीपक मधोक थे। इस मौके पर दैनिक जागरण वाराणसी यूनिट के वरिष्ठ विज्ञापन प्रबंधक संदीप शर्मा, संजय पांडेय व आशीष गुप्ता आदि मौजूद थे।

फ्लैट की बताई खूबियां : कुछ स्टालों पर अपार्टमेंट के मॉडल थे जिसके माध्यम से खरीदारों को फ्लैट की खूबियां बताई जा रही थीं। फेयर में आए लोगों ने प्रापर्टी से संबंधित निवेश व कंस्ट्रक्शन के समय सावधानियों और बारीकियों की जानकारी ली।

टूबीएचके पर जोर : ज्यादातर लोगों ने 2 बीएचके के फ्लैट पर सहमती दर्ज कराई है। 3 बीएचके के भी कदरदान पहुंचे थे। दूसरे दिन भी लगभग तीन हजार से ज्यादा लोगों ने जानकारियां हासिल करने पहुंचे थे।

जागरण प्रापर्टी फेयर में मुख्य अतिथि दीपक मधोक के साथ सम्मानित लोग।

फेयर में दी गईं जानकारियां

फेयर में आए लोगों को प्रापर्टी से संबंधित निवेश व कंस्ट्रक्शन के समय सावधानियों व बारीकियों की जानकारी दी गई। मेले में सहभागी बनकर शहरवासियों ने बारीकियों संग शहर भर में होने वाली बेहतर इंटीरियर संग बनने वाले फ्लैट्स, उनके दाम व रेंज की जानकारी एक छत के नीचे तुलनात्मक तरीके से प्राप्त की। ग्राहकों ने वास्तु के साथ ही हाउसिंग लोन की सुविधा के बारे में भी जाना।

इनकी भी रही भागीदारी

नीलगिरी, स्मार्ट सिटी, जीत होम्स, रोमा बिल्डर, रुद्रा, कोणार्क, अवध ग्रुप, आकार हाउसिंग, राज बिल्ड जोन, लवकुश अपार्टमेंट, स्पेरो इंफ्राटेक, केजीआर ग्रुप, सीआइपीएल, पैराडाइज ऐव्यू, विनसम डेवलपर्स, लय इंटीरियर, केनरा बैंक, इंडेकोर व रेडियो पार्टनर 91.9 एफएम रेडियो मंत्रा, की रही भागीदारी। समापन समारोह में स्मृति चिन्ह देकर इन्हें सम्मानित किया गया।

जैसा कि लोगों ने कहा

अभिनव प्रयास सराहनीय

प्रापर्टी फेयर में आकर अच्छा लगा। बनारस भी आधुनिकता की ओर कदम बढ़ा चुका है। इसे जारी रखना चाहिए।
–अनिल कुमार त्रिपाठी, पिपलानी कटरा।

घर की चाह खींच लाई

घर का सपना अपना करने की चाह यहां तक खींच लाई। यहां एक स्थान पर छोटे–बड़े सस्ते व मंहगे सभी प्रकार के फ्लैटों की जानकारी कुछ ही घंटों में मिल गई। –
–राजकुमार यादव, हौज कटोरा।

जगी उम्मीद

शहर में इस तरह के आयोजन बराबर होने चाहिए। सबका सपना होता है एक ऐसा आशियाना जिसमें वह अपने परिवार के साथ चैन से जीवन व्यतीत कर सके। यहां आने से आशियाना की उम्मीद जग गई।
–अजय कुमार त्रिपाठी, सोनारपुरा।

एक छत के नीचे सभी सुविधा

शिवपुर क्षेत्र में 2 बीएचके का फ्लैट चाहिए, जो वास्तु शास्त्र के अनुरूप रहे। इस संबंध में जानकारी हासिल की लेकिन बजट के बाहर है। हालांकि हाउसिंग लोन की यहां सुविधा है।
–शोभनाथ विश्वकर्मा, वरुणापुल।

आसान किस्तों में लोन से राहत

यहां बैंक आर्थिक मदद को बैठा है। इससे कुछ हिम्मत जगी। एक 2 बीएचके फ्लैट लेने की मंशा से यहां आई हूं। **–गुड़िया, डीएलडब्ल्यू।**

रोमा का स्टॉल।

सेनिट का स्टॉल।

राज बिल्ड जोन का स्टॉल।

लव कुश अपार्टमेंट का स्टॉल।

के.जी.आर का स्टॉल।

स्टाल संचालकों ने कहा

● पॉपर्टी फेयर एक ऐसे प्लेटफार्म है जहां कुछ ही समय में आप अपने सपनों का आशियाना कम बजट में चुन सकते हैं।
–रत्नेश जायसवाल। केजीआर ग्रुप।

● दैनिक जागरण का यह बहुत ही अच्छा प्रयास है। हर बार कंपनी का स्टाल लगता है। इस तरह का मेला साल में तीन–चार बार लगना चाहिए।
–विनय कुमार सिंह। रोमा बिल्डर्स।

● खुशहाल जीवन के लिए खुद का हो घर अमूमन हर व्यक्ति की चाह होती है। ऐसे में दैनिक जागरण का यह प्रयास काफी सराहनीय है। **–प्रियंका सिंह, सेनिट इंफ्रास्ट्रक्चर।**

● एक स्थान पर ग्राहकों को सभी जानकारी कुछ ही समय में मिल जाती है। प्रतिस्पर्धा में ग्राहकों को अच्छे आफर का भी लाभ मिलता है।
–शोभित श्रीवास्तव, राज बिल्ड जोन, इंडिया प्रा. लि.।

● मुंबई व दिल्ली जैसे शहरों की तरह वाराणसी में भी अब पापर्टी फेयर लगने लगा है, इसका लाभ भी लोगों को मिल रहा है।
–अंकिता श्रीवास्तव स्मार्ट सिटी।

● सपनों के घर के लिए मेला एक मजबूत माध्यम है। यहां आकर लोग अपनी सभी जिज्ञासा को कम समय में शांत कर लेते हैं।
–प्रतीक गोयल इंडीकोर।

● प्रापर्टी फेयर में जानकारी करने वालों की संख्या पिछले बार से ज्यादा रही। कुछ लोग अपने बजट के मुताबिक फ्लैट लेने का भरोसा दिलाया है।
–अमन श्रीवास्तव, लवकुश अपार्टमेंट, आरएल ग्रुप कंपनी।

● मेला में अब तक 60 से ज्यादा इनक्वायरी हो चुकी है। कुछ लोग साइट पर जाने की भी इच्छा जाहिर की है। लोगों का काफी रूझान रहा। बनारस में इस तरह का फेयर प्रत्येक माह लगना चाहिए। **–जय प्रकाश सिंह, स्पेरो इंफ्राटेक।**

तारामंडल की तर्ज पर बनेगा लाइट एंड साउंड सेंटर

वाराणसी : बीएचयू के भारत कला भवन के तहत प्रस्तावित लाइट एंड साउंड सेंटर अब तारामंडल का आकार लेगा। कारण कि ध्वनि एवं प्रकाश केंद्र सिर्फ रात में ही चल पाएगा और रात को बाहर के लोगों का आना सुरक्षाकारणों से उचित नहीं मना जा रहा है।

ऐसे में अगर इसको तारामंडल की तर्ज पर बनाया जाता है तो महामना के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को दिन में भी दर्शाया जा सकेगा। इसे ध्यान में रखते हुए तारामंडल जैसा रूप देने पर चर्चा चल रही है। मालूम हो कि जब महामना पंडित मदनमोहन मालवीय को भारत रत्न मिला है, तबसे इस ध्वनि एवं प्रकाश सिस्टम को बेहतर स्थान पर लगवाने की कवायद की जा रही है। कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी की पहल पर यह योजना बनाई गई है। वैसे इसे विश्वनाथ मंदिर के पीछे बनाने की बात चल रही है। इसमें लोगों को दिखाने के लिए महामना की जीवन पर फिल्म बनाई गई है ताकि उनके व्यक्तित्व को लोगों के सामने प्रस्तुत किया जा सके। यह परियोजना 30.7 करोड़ रुपये की है।

सिर्फ लाइट एंड साउंड सेंटर बनाने पर सुरक्षा सहित कई दिक्कतें सामने आ रही है। इसे ध्यान में रखते इसे तारामंडल का रूप देने की तैयारी चल रही है।
– प्रो. एके सिंह, निदेशक, भारत कला भवन, बीएचयू

समय पर मूर्त रूप लेंगी विकास योजनाएं

प्रवीर कुमार

वाराणसी : काशी की विकास योजनाओं पर मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पैनी नजर है। जन सरोकार से जुड़ी योजनाएं गुणवत्ता–पारदर्शिता संग समयबद्धता से पूर्ण हों, इस दिशा में ठोस व कारगर कदम उठाए गए हैं। सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट में शुमार एक्सप्रेस–वे किसानों व व्यापारियों के लिए बड़ी सौगात है। इस योजना के मूर्तरूप लेने से जहां औद्योगिक विकास की गति तीव्र होगी वहीं किसानों व व्यापारियों की आय में भी गुणात्मक वृद्धि होगी। यह बात सूबे कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी) प्रवीर कुमार ने कही।

एक्सप्रेस–वे अक्टूबर तक अस्तित्व में

विकास योजनाओं की समीक्षा करने आए प्रवीर कुमार ने बताया कि लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे अक्तूबर तक अस्तित्व में आ जाएगा। लखनऊ–बलिया एक्सप्रेस–वे भी जल्द मूर्तरूप लेगी। बोले, एक्सप्रेस–वे की मदद से ताजी सब्जियां, फल व दुग्ध गांव से निकल बड़े शहरों में तुरंत पहुंचेगी। किसानों को अपना माल बेंचने के लिए बाजार की तलाश नहीं करनी होगी। कृषि उत्पादन आयुक्त ने बताया कि एग्री क्लीनिक योजना की मदद से सूबे के कृषि विश्वविद्यालयों के स्नातक आत्मनिर्भर बनेंगे।

गांवों में खोले जाएंगे 5 नए होमियोपैथिक अस्पताल

आईएचओ की संगोष्ठी का उद्घाटन करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष।

डा. हैनीमैन जयंती
◆ आइएचओ की संगोष्ठी में जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया वादा

वाराणसी : जिला पंचायत की ओर से गांवों में पांच नए होमियोपैथिक अस्पताल खोले जाएंगे। इस प्राचीन चिकित्सा विधा से ग्रामीणों को दुष्प्रभाव रहित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला पंचायत अध्यक्ष अपराजिता सोनकर ने इंडियन होमियोपैथिक आर्गनाइजेशन व होमियोपैथिक डीलर्स एसोसिएशन को रविवार को इसका भरोसा दिया।

दोनों संगठनों द्वारा डा. सैमुअल हैनीमैन जयंती पर कैंट स्थित एक होटल में आयोजित संगोष्ठी का उन्होंने उद्घाटन किया। आइएचओ के राष्ट्रीय महासचिव डा. जेएन रघुवंशी के प्रस्ताव पर उन्होंने कहा कि काशी विद्यापीठ के गंगापुर परिसर में बहुप्रतीक्षित होमियोपैथिक मेडिकल कालेज को भी मुख्यमंत्री से बात कर शुरू कराया जाएगा। बतौर मुख्य अतिथि महापौर रामगोपाल मोहले ने कहा कि बीएचयू में अन्य विधाओं की तरह ही होम्योपैथ का शिक्षण संस्थान व ओपीडी शुरू कराई जाएगी। अध्यक्षता जिला होम्योपैथ अधिकारी डा. दीनानाथ प्रसाद ने की। पूर्व एमएलसी डा. शिवनाथ यादव व डा. बृजेश कुमार विशिष्ट अतिथि थे। डा. दिनेश त्रिपाठी, डा. आरसी श्रीवास्तव, डा. जीएन सिंह, डा. एके सिंह, डा. वीके सिंह को सम्मानित किया गया। स्वागत गोपाल यादव व डा. सर्वेश चौबे, संचालन डा. आरसी श्रीवास्तव व डा. एसके पांडेय ने किया।

उधर, होमियोपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा छावनी क्षेत्र में 'स्वस्थ भारत, समृद्ध राष्ट्र' जागरुकता दिवस मनाया गया। इसमें वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र प्रताप मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. यदुनाथ प्रसाद दुबे की। बीएचयू के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित संगोष्ठी में लखनऊ विवि की पूर्व कुलपति प्रो. सरोज चूड़ामणि मुख्य अतिथि थीं। बनारस होमियोपैथिक डाक्टर्स एसोसिएशन व आयुष मेडिकल आर्गनाइजेशन ने बीएचयू सिंहद्वार से रविदास गेट तक रैली निकाली।

रोग को जड़ से दूर करती है पद्धति

मौर्य होमियोपैथ हास्पिटल के डा. चंद्रगुप्त मौर्य ने कहा कि होम्योपैथ से न केवल लक्षणों एवं बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है बल्कि अनय विकारों को भी दूर किया जा सकता है। बताया कि यह एक ऐसी साइंटिफिक पद्धति है कि इसके इलाज से रोग को जड़ से दूर किया जा सकता है।

आगे रास्ता चयनित करने का माध्यम बनेगा आइआइटी टेस्ट

आइआइटी सीजन-3 : डॉलिम्स रामकटोरा में शामिल परीक्षार्थी।

ग्लोरियस एकेडमी, डाफी में परीक्षा देते छात्र।

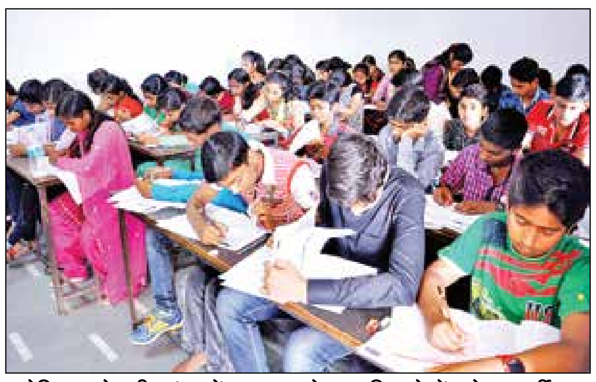
ग्लोरियस एकेडमी, लंका में तन्मयता से उत्तर लिखने में जुटे अभ्यर्थी।

❍ आइ नेक्स्ट की ओर से आयोजित इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट में हजारों स्टूडेंट्स हुए शामिल
❍ सिटी के तीन सेंटर्स पर ऑर्गनाइज एग्जाम में 6 से 12 तक के स्टूडेंट्स हुए शामिल
❍ आईआईटी सीजन–3 का विद्या मंदिर क्लासेज है नॉलेज पार्टनर

INDIAN INTELLIGENCE TEST™
Season 3
An Innovative Aptitude Test

वाराणसी : बड़े होने के साथ ही हर स्टूडेंट को अपने कॅरियर की फिक्र होती है। किस फील्ड में कॅरियर शानदार होगा इसको लेकर स्टूडेंट्स कितने जागरूक हैं इसकी झलक इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट सीजन–3 में देखने को मिली। रविवार को आई नेक्स्ट की ओर से इस खास टेस्ट का आयोजन सिटी के रामकटोरा स्थित डॉलिम्स, ग्लोरियस एकेडमी के लंका स्थित माधव मार्केट व डाफी ब्रांच में बने सेंटर पर आयोजित हुआ। यह टेस्ट ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन काउंटर से रजिस्ट्रेशन कराने वालों के लिए आयोजित हुआ। ओपेन सेंटर्स पर हजारों स्टूडेंट्स ने इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट दिया. इसमें क्लास 6 से 12 तक के स्टूडेंट्स शामिल हुए. सभी सेंटर्स पर दोपहर 12 बजे से एग्जाम स्टार्ट हुआ। आईआईटी को लेकर स्टूडेंट्स ही नहीं बल्कि शिक्षक और अभिभावक भी उत्साहित थे। टेस्ट से पहले सभी में ये उत्सुकता रही कि आखिर किस तरह के प्रश्न पूछे जाएंगे। इस टेस्ट के माध्यम से बच्चों में अपना लक्ष्य निर्धारित करने में आसानी मिलेगी।

कॅरियर के लिए फायदे

- इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट में शामिल बच्चों को अपना इंटेलिजेंस लेवल आसानी से पता चल जाएगा।
- आईआईटी से ये पता चल जाएगा कि बच्चे का झुकाव किस तरफ है।
- इस टेस्ट के रिजल्ट से खुद बच्चे और उनके अभिभावक तय कर सकते हैं कि उसे किस फिल्ड में भेजा जाना है।

इन सेंटर्स पर हुई परीक्षा

- डॉलिम्स, रामकटोरा
- ग्लोरियस एकेडमी, माधव मार्केट, लंका
- ग्लोरियस एकेडमी, डाफी